जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 264 प्रभात उदयपुर, बुधवार 27 जुलाई, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

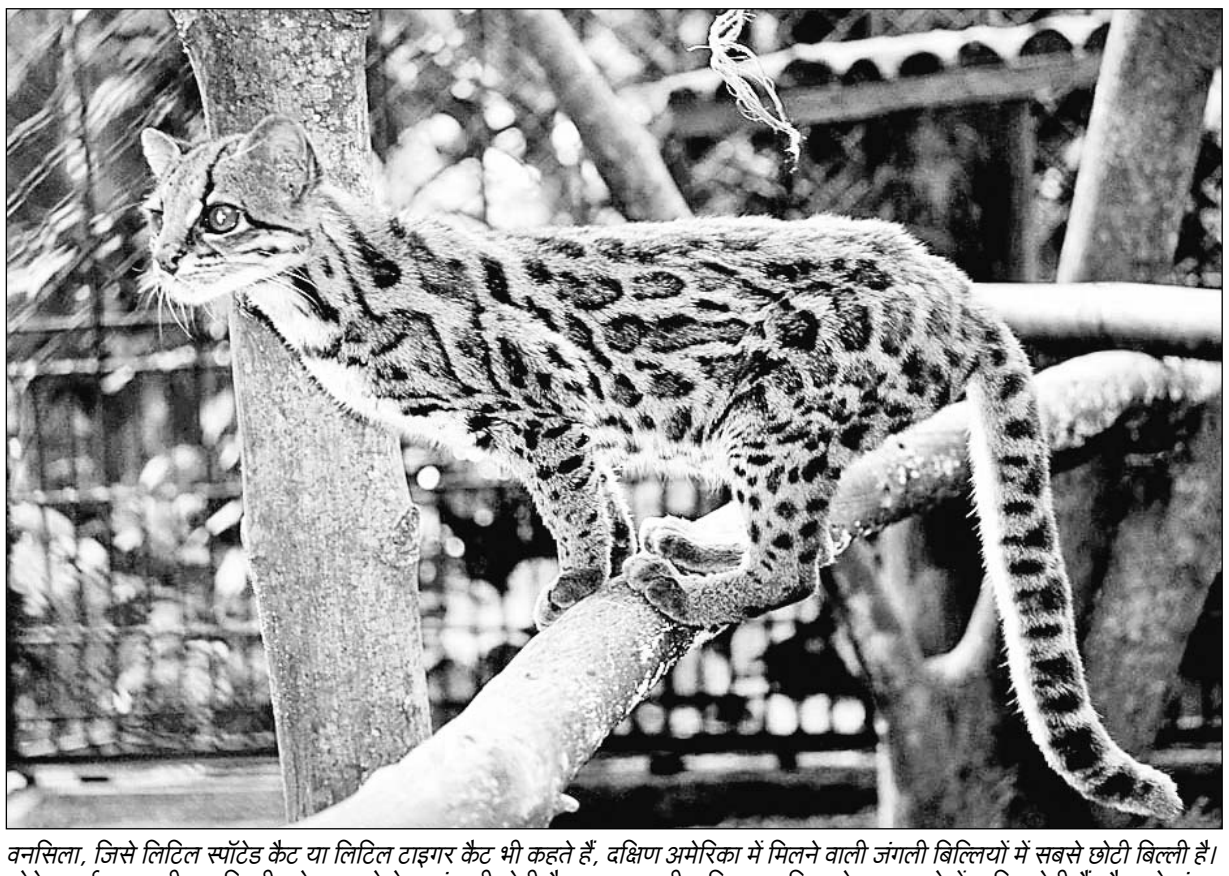

वनसिला, जिसे लिटिल स्पॉटेड कैट या लिटिल टाइगर कैट भी कहते हैं, दक्षिण अमेरिका में मिलने वाली जंगली बिल्लियों में सबसे छोटी बिल्ली है। मोटे व नर्म फर वाली यह बिल्ली भूरे या गहरे गेरुए रंग की होती है। एकान्तवासी रात्रिचर वनसिला पेड़ पर चढ़ने में माहिर होती हैं और घने जंगल में रहना पसंद करती हैं। छिपकली, पक्षी और चूहे इनका प्रिय भोजन हैं। ये शिकार को दूर से ही देख लेती हैं और पीछा करती हैं तथा रेंज में आते ही झपट लेती हैं। वैज्ञानिकों ने अभी तक इकोसिस्टम में वनसिला की भूमिका का अध्ययन नहीं किया है, पर, ऐसा माना जाता है कि चूहों की आबादी को नियंत्रित करने में इनकी अहम् भूमिका है। इस प्रजाति के प्रजननकाल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, बस इतना पता है कि 74-76 दिन की गर्भावस्था के बाद मादा 1 से 3 बच्चों को जन्म देती है। ये बिल्लियाँ मूलतः दक्षिण अमेरिका और मध्य ब्राज़ील के उष्ण कटिबंधीय वनों में मिलती हैं। हल्के पीले से गहरे भूरे रंग की इन बिल्लियों के शरीर पर फूल के गुच्छे जैसे निशान होते हैं इसलिए इन्हें लिटिल स्पॉटेड कैट कहते हैं। यह तो पता नहीं है कि इनकी खोज कब हुई थी पर वर्ष 2013 में कुछ वैज्ञानिकों ने दलील दी थी कि वॅनसिला के दो पृथक समूह हैं। तीखे दांत वाली इन बिल्लियों की सुनने की क्षमता बहुत तेज होती है जिससे शिकार करना इनके लिए आसान हो जाता है। आई.यू.सी.एन. की रैडलिस्ट में इनकी आबादी "वल्नरेबल वर्ग" में है। प्राकृतिक आवास के विनाश और शिकार से इन्हें भारी खतरा है। इनकी आबादी तेजी से कम हो रही है और आई.यू.सी.एन. के अनुसार विश्व में इनकी आबादी 8,932 से 10,208 के बीच है। ये बिल्लियां उष्ण कटिबंधीय वनों के साथ-साथ वर्षा वनों में भी फलती-फूलती हैं। कोस्टारीका में ये समुद्र स्तर से 1500-3000 मीटर ऊपर मिलती हैं। जंगल में ये 10-14 साल जीती हैं और सही माहौल मिले तो 16 से 20 साल भी जी सकती हैं। लेकिन कैप्टिविटी में वनसिला शावकों की मृत्यु दर काफी अधिक है।

मंगलवार संसद के अंदर व बाहर विपक्ष के लिये भारी "एक्शन" का दिन रहा

सोनिया गांधी से छः घंटे पूछताछ की ई.डी. नेः राहुल गांधी को हिरासत में लेकर किंग्स-वे-कैम्प पुलिस लाइन्स में रखा गया, जब वे अपनी मां से की जा रही पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे

- **अशोक गहलोत इस "एक्शन" से भरपूर ड्रामा में भाग नहीं ले सके, क्योंकि "लो-ब्लड" प्रेशर की शिकायत के कारण ए.आई.सी.सी. में मुकुल वासनिक के कमरे में उन्हें लेटे रहना पड़ा।**
- **पर, सचिन पायलट इस धरने-प्रदर्शन में अग्रणी भूमिका में रहे तथा उन्होंने गिरफ्तारी दी तथा हिरासत में बंद रहे।**
- **ये धरना प्रदर्शन कल भी दोहराये जायेंगे, क्योंकि कल फिर सोनिया गांधी को पूछताछ के लिये बुलाया है।**
- **संसद में 19 राज्यसभा सदस्य निलंबित किये गये, सत्र की समाप्ति तक की अवधि के लिये। ये सांसद अधिकतर तृणमूल पार्टी व अन्य विपक्षी दलों के सदस्य हैं। कांग्रेस पार्टी के सांसद बाहर धरना प्रदर्शन में व्यस्त रहे।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। आज का दिन विपक्ष के लिए संसद के अंदर और बाहर, "एक्शन" का दिन था।

प्रवर्तन निदेशालय ने सोनिया गांधी से 6 घंटे तक पूछताछ की, राहुल गांधी अपनी माँ से की जा रही पूछताछ का विरोध करने पर, गिरफ्तार कर लिये गये तथा किंग्स वे कैम्प पुलिस लाइन्स की हवालात में रखे गये, लगभग सभी कांग्रेस सांसद तथा नेता गिरफ्तार कर लिये गये तथा वहां से ले जान के बाद, आज देर शाम तक छोड़े नहीं गये, किन्तु राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जो लो ब्लड प्रैशर से पीड़ित थे, न तो विरोध प्रदर्शन में शामिल हो सके और न उनकी गिरफ्तारी ही हुई क्योंकि उन्होंने ब्लड प्रैशर को बढ़ाने के लिये दवा ले ली थी।

वे ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में मुकुल वासनिक के कक्ष में दो घंटे लेटे रहे। उन्हें आज अपरान्ह 4 बजे तक जयपुर लौटना था, लेकिन उन्होंने अपनी जयपुर यात्रा रद्द कर दी, क्योंकि सोनिया गांधी ई.डी. द्वारा की जा रही पूछताछ से मुक्त होकर तब तक लौटी नहीं थीं।

सोनिया को कल होने वाली पूछताछ के लिये सम्मन और दिया गया है। लेकिन सचिन पायलट इस विरोध-प्रदर्शन में सबसे आगे की पंक्ति में थे, वे गिरफ्तार हुए हिरासत में रखे गये।

इसी प्रकार के विरोध-प्रदर्शन, धरने तथा गिरफ्तारियाँ कल भी होने की संभावना है क्योंकि कल वे फिर से पूछताछ के लिए ई.डी. ऑफिस जायेंगी।

संसद में, 19 राज्यसभा सांसद इस सप्ताह के अंत तक के लिये निलंबित कर दिये गये क्योंकि वे सदन में विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे तथा महँगाई एवं जी.एस.टी. पर बहस कराने की माँग कर रहे थे।

आज कांग्रेस सांसद सदन में नहीं थे क्योंकि वे सोनिया गांधी की पूछताछ का विरोध करने में लगे हुये थे। कल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने 4 कांग्रेस सांसदों को संसद के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिये निलम्बित कर दिया था।

राहुल गांधी भी एक असाधारण उदाहरण के अन्तर्गत आज उस समय गिरफ्तार कर लिये गये, जब वे सड़क पर धरने पर बैठ गये थे क्योंकि पुलिस ने उन्हें आगे जाने तथा विरोध-प्रदर्शन रखने की अनुमति नहीं दी थीं।

पुलिस ने सोनिया गांधी के निवास से लेकर प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय तक के सारे क्षेत्र को सील कर दिया था।

राजधानी में मंगलवार का सूरज जैसे-जैसे चढ़ता गया, सरकार के खिलाफ चल रहा ड्रामा तथा विपक्ष का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि

राज्य में मंगलवार को 232 नए संक्रमित मिले, इससे पहले सोमवार को 187 रोगी पाए गए थे

- **जोधपुर में सबसे ज्यादा 44 जबकि जयपुर में 42 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर सत्रह सौ के पार हो गए हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जुलाई। प्रदेश में मंगलवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 232 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच केवल 147 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर सत्रह सौ के पार हो गए हैं। उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है।

प्रदेश में मंगलवार को 21 जिलों में 232 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 187 रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 44 नए संक्रमित जोधपुर जिले में मिले हैं। वहीं 42 मरीज जयपुर में पाए गए हैं। इसके अलावा बीकानेर में 20, जैसलमेर में 19, अलवर व जालोर में 15-15, भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ में 12-12, दौसा में 8, उदयपुर में 7, राजसमंद में 6, नागौर व प्रतापगढ़ में 5-5, अजमेर, बाड़मेर व सीकर में 4-4, डूंगरपुर में 3, बारां, चूरू व टोंक में 2-2 और सवाई माधोपुर में 1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 12 जिलों बांसवाड़ा, भरतपुर, बूंदी, धौलपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली और सिरोही में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 11 जिलों में केवल 147 मरीज ही ठीक हुए हैं। रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1717 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 390 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में 322, बीकानेर में 121 और अजमेर में 100 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में मंगलवार को भी किसी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी सबसे ज्यादा 10 नए संक्रमित सांगानेर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा दुर्गापुरा में 6, सांभर लेक में 4, मालवीय नगर व वैशाली नगर में 3-3, बस्सी, जगतपुरा व सोड़ाला में 2-2 तथा बनीपार्क, गांधी नगर, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, एमआई रोड, मानसरोवर, राजापार्क, रामगंज और सिरसी में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 1 मरीजों का पता गलत मिलने पर उसे ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में केवल 20 ही मरीज रिकवर हुए हैं।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि मानसून में संक्रामक रोगों में वृद्धि होती है। देशभर में कोविड संक्रमण के बढ़ते मामले भी इसका नतीजा है। करीब 6 महीने बाद कोविड की दैनिक संक्रमण दर 7 फीसदी के पार हो गई है। ऐसे में सभी को सावधान रहना है। उन्होंने लोगों से कोविड वैक्सीन की दोनों डोज तथा आवश्यकतानुसार प्रिकॉशन डोज लगवाने की अपील की।

6 घंटे पूछताछ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष, 75 वर्षीय सोनिया गांधी आज नैशनल हैरल्ड से जुड़े मनी लॉन्डरिंग केस के सिलसिले में पूछताछ के दूसरे दौर के लिये एन्फोर्समेंट डॉयरेक्ट्रेट (ई.डी.) के समक्ष उपस्थित हुई। उनसे छः घंटे तक पूछताछ हुई तथा आगे की पूछताछ के लिये, उन्हें कल फिर बुलाया गया है।

सोनिया गांधी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) के प्रावधानों के तहत, इस केस में अपने-अपने बयानों की रिकॉर्डिंग के लिये, पूर्वान्ह 11 बजे के आसपास ई.डी.

- **ई.डी. ने मंगलवार को भी सोनिया गांधी से 6 घंटे तक पूछताछ की और बुधवार को फिर बुलाया है।**

ऑफिस पहुँच गई थीं। उनके साथ ज़ैड प्लस के सशस्त्र सुरक्षाकर्मी के अलावा, उनके बच्चे राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा भी गये थे।

वे अपरान्ह 2 बजे के आसपास सैन्ट्रल दिल्ली स्थित एजेंसी के ऑफिस लंच के लिये चली गई थी तथा उन्हें 3.30 बजे पुनः वापस आना पड़ा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, "यह केस (हैरल्ड मनी लॉन्डरिंग) विपक्ष का मनोबल तोड़ने के लिये बनाया गया है। आप किन्हीं लोगों को इसीलिये तो भ्रष्ट नहीं कह सकते, क्योंकि वे आपको नापसंद हैं।"

राजघाट पर सत्याग्रह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस ने महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह करने से केन्द्र के इन्कार का मंगलवार को विरोध किया। पार्टी नैशनल हैरल्ड केस में कथित फर्जी मनी लॉड्रिंग को लेकर अपनी अध्यक्ष सोनिया गांधी से इन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की दूसरी पूछताछ के विरोध में राष्ट्रव्यापी विरोध

- **कांग्रेस को सरकार ने महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी तो कांग्रेस ने सड़कों पर धरना-प्रदर्शन किया।**

प्रदर्शन के तहत राजघाट पर सत्याग्रह करना चाहती थी।

कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने कहा कि यह वही राजघाट है जहां वर्तमान केन्द्रीय मंत्रियों सहित भाजपा नेताओं ने यू.पी.ए. सरकार के दौरान 5 जून 2011 को बाबा रामदेव के समर्थन में रात भर दिए गए एक धरने के बाद नृत्य किया था। वहां सत्याग्रह से इन्कार करना लोकतंत्र की हत्या है न्योंकि इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आई.एम.एफ. का आकलन है, विश्व जी.डी.पी. में भारी गिरावट आयेगी

चीन व रूस में सबसे ज्यादा जी.डी.पी. में गिरावट आयेगीः भारत इस गिरावट से लगभग अछूता सा रहेगा

- **चीन में प्रॉपर्टी में "मॉर्गेज" की किश्त जमा नहीं होने से भारी आर्थिक संकट की आशंका। चीन में जी.डी.पी. में गिरावट का दूसरा बड़ा कारण है, चीन की इकॉनमी का "निर्यात" पर निर्भर व आश्रित होना। कोविड व यूक्रेन के युद्ध के कारण विदेशों से व्यापार बहुत प्रभावित हुआ है और निर्यात एक दम लुढ़क गया है।**
- **रूस पर, अमेरिका व यूरोपीय देशों द्वारा लगाये गये आर्थिक प्रतिबंध असर दिखाने लगे हैं। साथ ही रूस का प्रमुख निर्यात, गैस व ऑयल भी कम बिक रहा है। कुछ समय तो काम चल गया, क्योंकि गैस व ऑयल के दामों में भारी वृद्धि हुई थी। पर, अब मुश्किलें बढ़ेंगी।**
- **भारत की इकॉनमी में निर्यात की निर्णायक भूमिका नहीं है। एक तरह से भारत विश्व की आर्थिक उथल-पुथल से ज्यादा प्रभावित नहीं, क्योंकि खुद भारत की आंतरिक खपत काफी है, इकॉनमी का चक्का चलाने के लिये।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। इन्टरनैशनल मॉनेटरी फंड (आई.एम.एफ.) ने कुछ देशों में फिर से कोविड संक्रमण फैलने और महंगाई तथा मुद्रा अवमूल्यन के बढ़ते दबाव को देखते हुए ग्लोबल इकॉनॉमिक ग्रोथ संभावनाओं में कटौती कर दी है।

नए अनुमान के अनुसार वर्ष 2022 में वास्तविक जी.डी.पी. ग्रोथ रेट घटकर 3.2 प्रतिशत रह जाएगी इसी वर्ष में अप्रैल में यह 3.6 प्रतिशत थी। सबसे बुरी तरह चीन और रूस प्रभावित हुए हैं जिनकी आर्थिक ग्रोथ में काफी गिरावट दिखी है।

देशों के लिए चिंताजनक कारक, जिनका पूरी दुनिया पर प्रभाव पड़ रहा है, उनमें प्रमुख हैं, चीन का प्रॉपर्टी मार्केट और क्रेडिट संकट और रूस द्वारा तेल व गैस के आयात में भारी कटौती। दोनों देशों की जी.डी.पी. में भारी गिरावट आने की आशंका है।

भारत का जी.डी.पी. पूर्वानुमान 2023 में घट कर 7.4 प्रतिशत हो जाएगा, जो कि इस वर्ष अप्रैल में 8.6

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ब्रिटेन-चीन संबंधों के साथ खिलवाड़ न करें'

ब्रिटेन के प्र.मंत्री के चुनाव के उम्मीदवारों, ऋषि सुनक व लिज ट्रस को चीन ने चेतावनी दी

- **चीन का भय दिखाना व उसके साथ-साथ सख्ती बरतने का वादा, ब्रिटेन के राजनीतिज्ञों को सस्ती लोकप्रियता दिलाकर चुनाव में लाभ पहुंचा सकता है, पर यह आसान व अव्यवहारिक सोच है।**
- **ब्रिटेन की फाइनैंशियल हालत काफी खस्ता है और चीन से व्यापारिक संबंध करने से ब्रिटेन की इकॉनमी को और धक्का लगेगा, जो ब्रिटेन बर्दाश्त नहीं कर पायेगा।**
- **यूरोपियन यूनियन की सदस्यता छोड़ने के बाद, अब चीन ही इंगलैण्ड का बड़ा व्यापारिक पार्टनर है। सुनक की छवि चीन के प्रति ज्यादा कट्टर होने की नहीं है, जितनी लिज ट्रस की है, अतः सुनक जनता में अपनी छवि निखारने के लिये, चीन के प्रति अति कठोर भाषणबाजी कर रहे हैं। उन्होंने चीन के कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट की ब्रिटेन में चल रही 30 शाखाओं को बंद करने का वादा किया है, क्योंकि, "चीन इनके मार्फत अपने "सॉफ्ट पावर" में इजाफा करने की योजना रखता है।**

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार 10 डाउनिंग स्ट्रीट के लिए दौड़ में तेजी आने के साथ ही "चाइना थ्रेट" का कार्ड खेलने लगे हैं, जिस पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

चीन के विश्लेषकों ने कहा है कि जब ब्रिटेन की जनता आंतरिक परेशानियों से दुःखी है तब चीन के भय को प्रोत्साहित करना और लोगों को यह विश्वास दिलाना कि यू.के. को चीन पर दोषारोपण करना चाहिए और उससे डरना चाहिए, बिल्कुल बेवकूफी है किन्तु यह एक आसान रास्ता है। वे ध्यान दिलाते हैं कि इस विकट स्थिति में यू.के. के राजनेताओं की टिप्पणियां उनके प्रचार अभियान को उपयुक्त बनाती हैं। चीन को इसे ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है, किन्तु 10 डाउनिंग स्ट्रीट में आने के बाद वे क्या करते हैं, यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों ने कहा कि वहां के राजनेता अच्छी तरह से जानते हैं कि चीन के साथ संबंध सुधारने से उन्हें अपना आर्थिक दबाब हल्का करने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है या वे जानते हैं कि चीन-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचाने से अन्ततः यू.के. की अर्थव्यवस्था को ही और नुकसान होगा, इसके बावजूद यहां का विषैला राजनीतिक वातावरण यू.के. के राजनेताओं को सही फैसला लेने के बजाए आसान रास्ता अपनाने को प्रेरित कर रहा है क्योंकि वहां के राजनेताओं में प्रभावी बदलाव लाने की बुद्धि और साहस नहीं है।

द फायनैंशियल टाइम्स (एफ.टी.) ने सोमवार को खबर दी कि ऋषि सुनक और लिज़ ट्रस में इस बात को लेकर झड़प हो चुकी है कि ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनने की लड़ाई में चीन पर सबसे कड़ा रुख कौन अपनाएगा।

पूर्व वित्त मंत्री सुनक ने कहा कि ब्रिटेन तथा विश्व की सुरक्षा और समृद्धि के लिए इस शताब्दी में चीन सबसे बड़ी चुनौती है। सुनक ने यू.के. पर बीजिंग का प्रभाव कम करने के कई उपाय प्रस्तावित किए।

चीन के विरूद्ध सुनक की कड़ी टिप्पणियों को लेकर मीडिया प्रश्नों के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने कहा कि "मैं ब्रिटेन के कुछ राजनेताओं को स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि कथित "चाइना थ्रेट" के प्रचार सहित चीन के विरूद्ध गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी करने से उनकी समस्याएं नहीं सुलझ सकतीं।"

एफ.टी. के अनुसार विदेश मंत्री ट्रस के साथियों ने कहा कि चीन पर सुनक का रवैया नरम रहता आया है, और कुछ समय पूर्व तक तो वह यू.के.-चाइना इकोनॉमिक एण्ड फायनैन्स कांफ्रेंस की योजना बना रहे थे, जो कि वर्ष 2019 के बाद पहली बार होती।

सुनक जब जुलाई 2021 में वित्त मंत्री थे तब उन्होंने कहा था कि ब्रिटेन को चीन के साथ अपना व्यापारिक संबंध मजबूत करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि यूरोपीयन यूनियन (ई.यू.) के वित्तीय सेवा बाजारों तक सीधी पहुंच बहाल करने के प्रयास विफल रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ अधिक वित्तीय सहयोग की भी इच्छा जताई थी। अतः टीकाकारों ने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय ने सऊदी अरब जाने वाले तीर्थयात्रियों को टूर ऑपरेटर्स द्वारा हज तथा उमरा सेवाओं के लिए दी जाने वाली गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) से छूट देने से मंगलवार को इंकार कर दिया।

न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर, अभय एस. ओका तथा जमदेश बी. पार्दीवाला की बैंच ने उन सभी

- **सुप्रीम कोर्ट ने हज व उमरा सर्विस के टूर ऑपरेटर्स को जी. एस. टी. में छूट देने से इंकार कर दिया।**

याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो ऑल इंडिया हज एण्ड उमराह टूर ऑर्गनाइजर एसोसिएशन की अगुवाई में टूर ऑपरेटरों ने दायर की थीं। बैंच ने 5 मई को यह फैसला सुरक्षित रख लिया था। छूट तथा भेदभाव-दोनों ही आधारों पर इन याचिकाओं को खारिज करते हुये, बैंच ने निर्णय दिया कि भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)